Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 11th | HISTORY

लेखन कला एवं शहरी जीवन



अध्याय-1 | भाग-4

एकदम BASIC से!

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?



1. लेखन कला का विकास
2. मेसोपोटामिया में पट्टिकाएँ
3. लेखन प्रणाली
4. साक्षरता

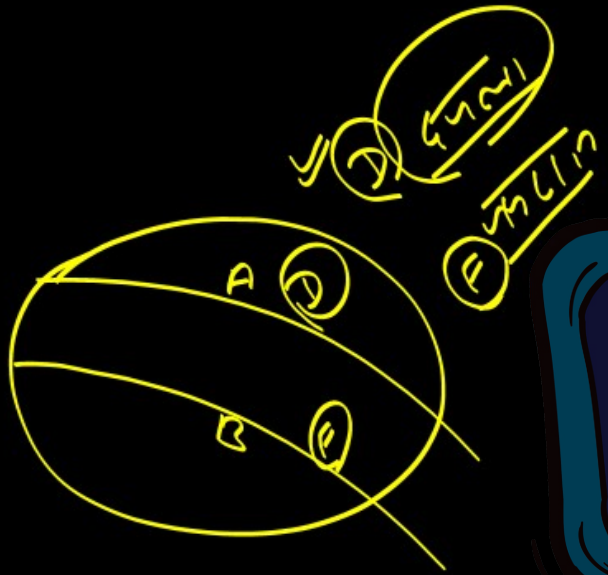
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शहरों में माल की आवाजाही

❖ खाद्य संसाधन समृद्ध

खनिज संसाधनों का अभाव

- पत्थरों का अभाव
- उपयुक्त लकड़ी का अभाव
- धातुओं का अभाव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER







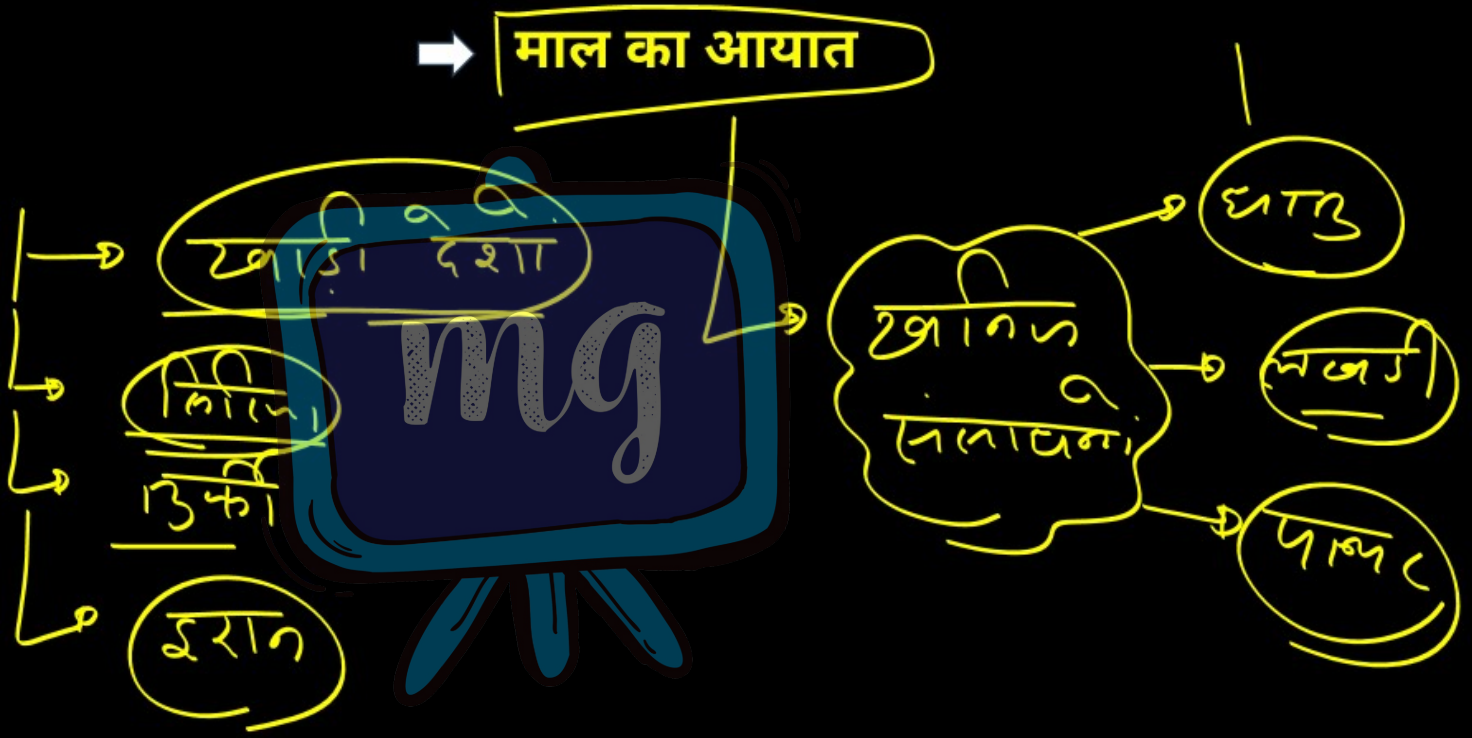
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





➡ **माल का निर्यात**

☛ कपड़ा व कृषि उत्पाद

☛ सामाजिक संगठन की आवश्यकता

→ माल की नियमित आवाजाही

→ विदेशी अभियानों व विनियमों को निर्देशित करना

→ दक्षिण मेसोपोटामिया में संगठनों का निर्माण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



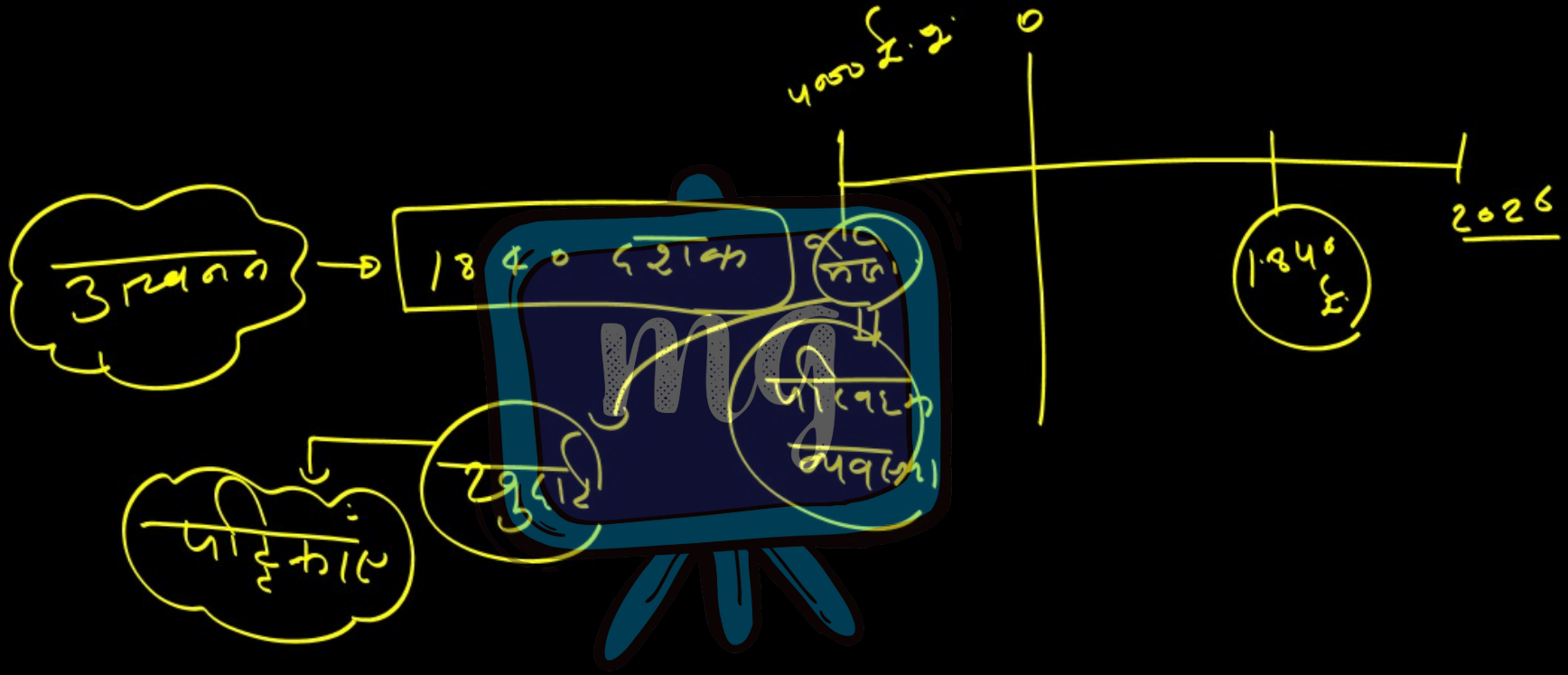
कुशल परिवहन व्यवस्था

- साक्ष्य → चिकनी मिट्टी की पट्टिकाएँ
- स्थल परिवहन → पशुओं व बैलगाड़ियों का प्रयोग
- जल परिवहन → नहरें व प्राकृतिक जलधारा

खच्चर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

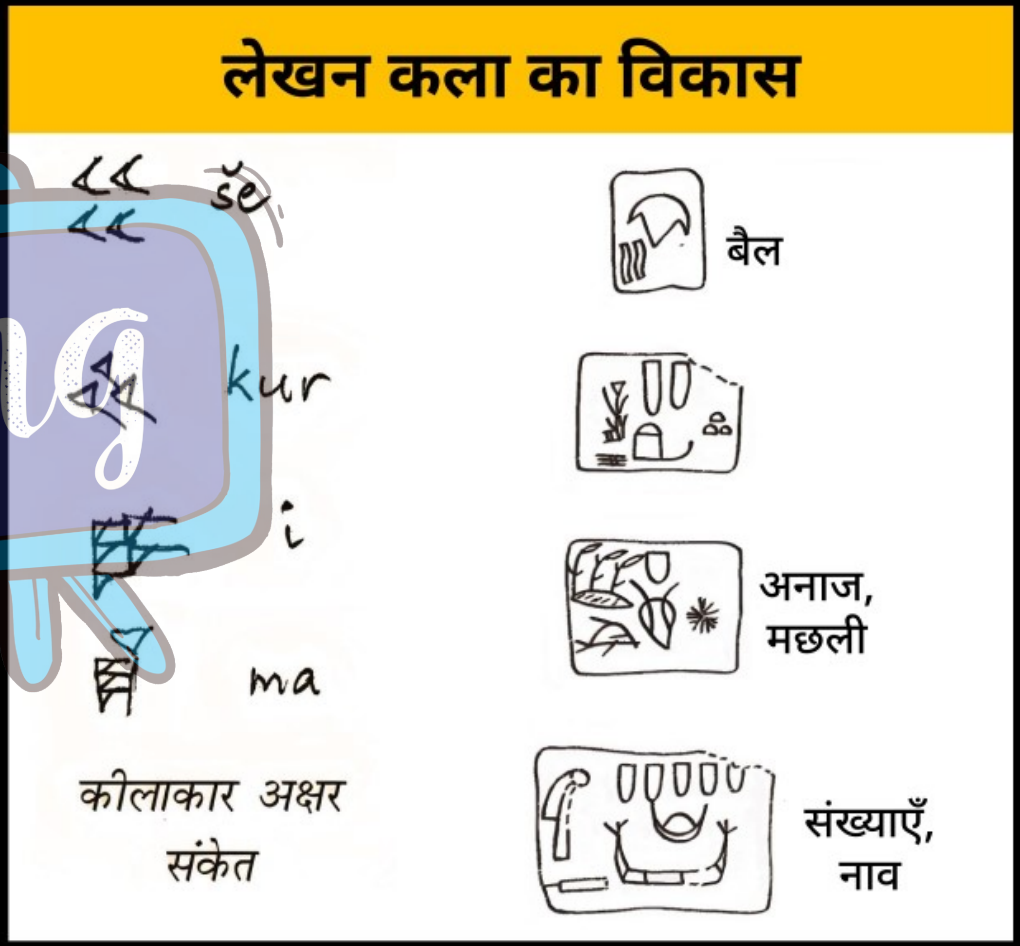
- जानवरों से माल ढुलाई की तुलना में जलमार्ग परिवहन सस्ता व बेहतर था।
- नहरे व प्राकृतिक जलधाराएँ माल परिवहन का अच्छा मार्ग।
- फ़रात नदी व्यापार के लिए 'विश्व-मार्ग' के रूप में प्रसिद्ध।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लेखन कला का विकास



Under CSR Support by ipca | Foundation

mg missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



☛ लेखन या लिपि का अर्थ उच्चारित ध्वनियाँ, जो दृश्य संकेतों या चिह्नों के रूप में प्रस्तुत की जाती है।

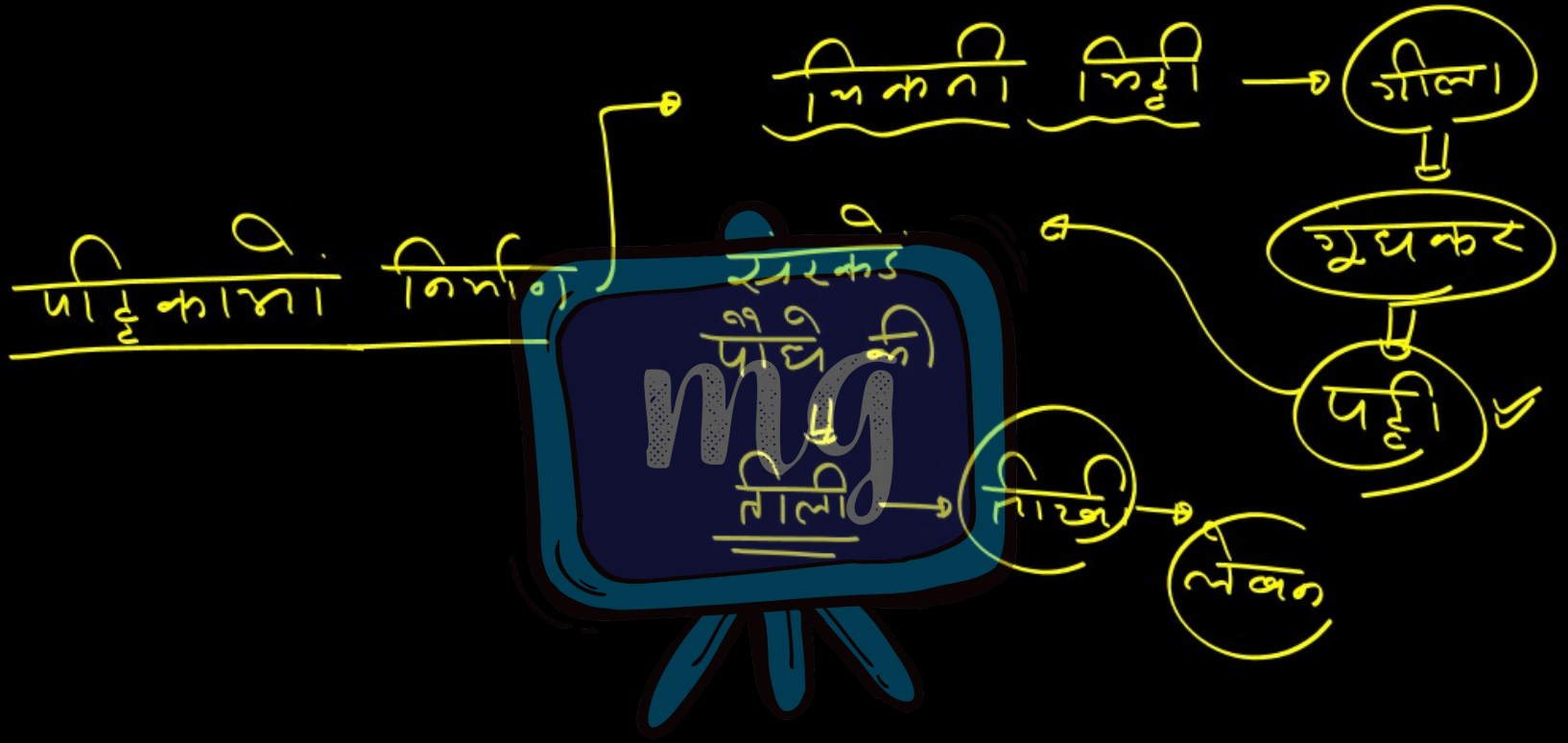
➡ मेसोपोटामिया में पट्टिकाएँ

- 3200 ई. पूर्व
- चित्र जैसे → चिह्न व संख्याएँ
- उरूक से सूचियाँ प्राप्त
- पट्टिकाओं का निर्माण

☛ कीलाकार चिह्न (क्यूनिफॉर्म)

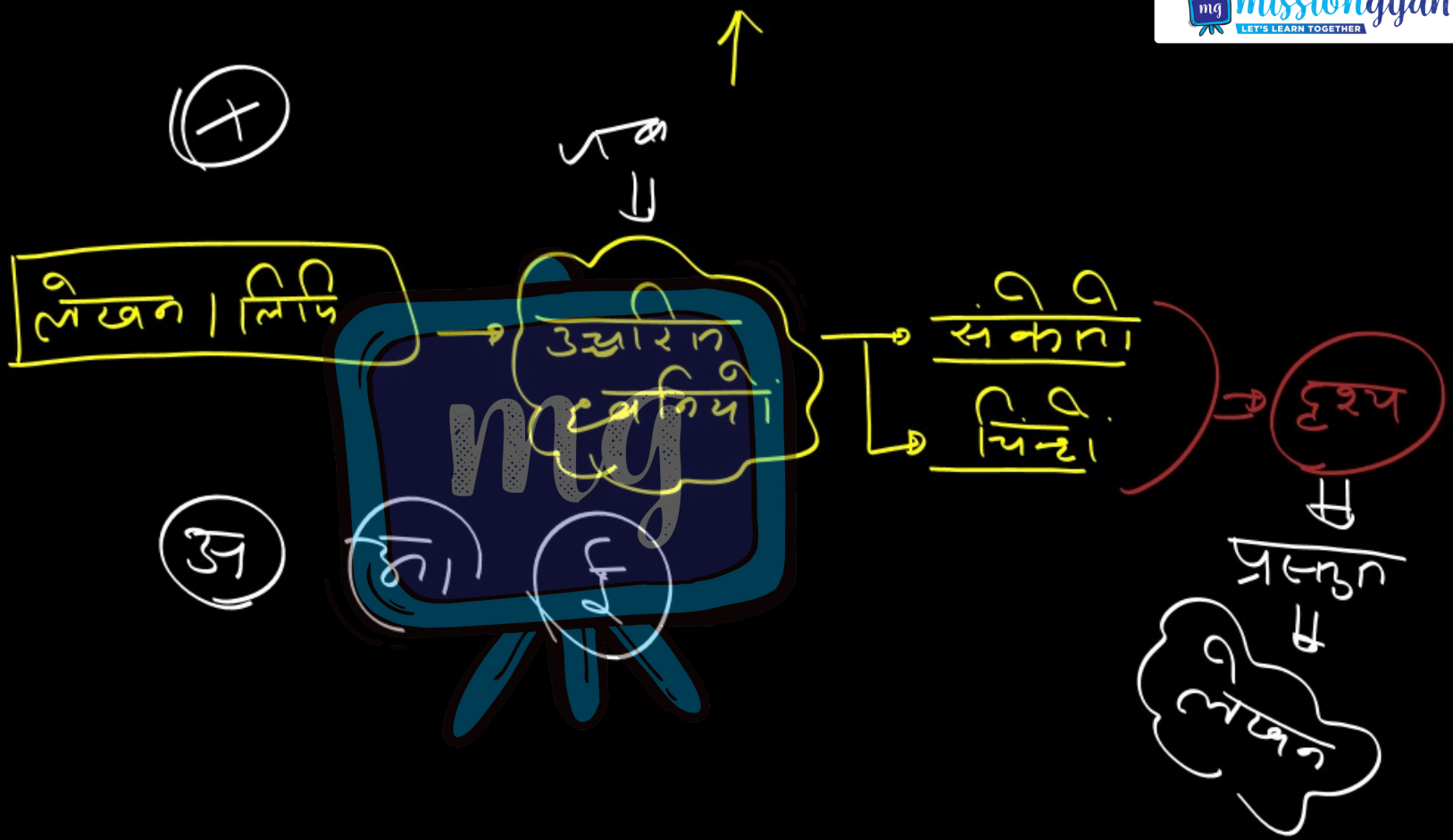
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लगभग 2600 ई.पू. के आसपास वर्ण कीलाकार व भाषा सुमेरियन।
- 2400 ई. पू., अक्कदी भाषा।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

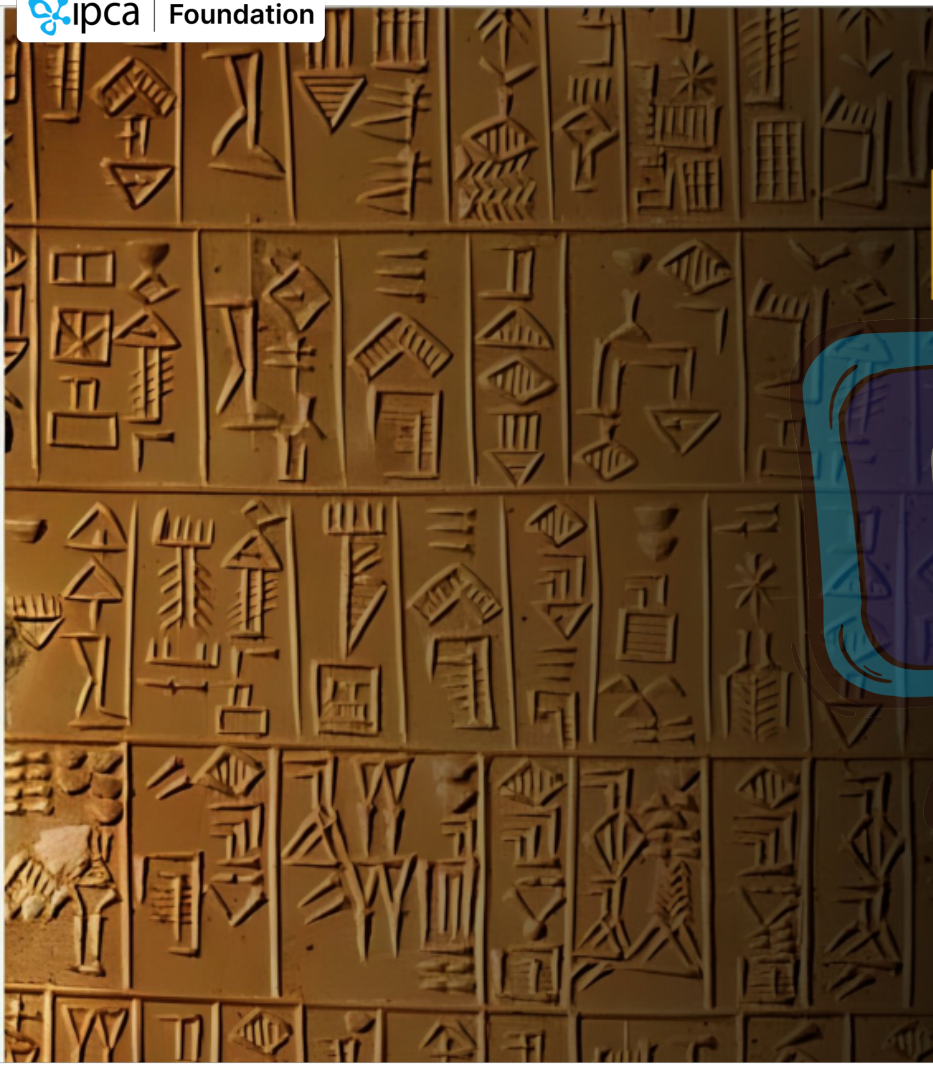
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. हिसाब-किताब रखने में
2. शब्दकोष निर्माण
3. भूमि हस्तानान्तरण को कानूनी मान्यता
4. राजाओं के कार्यों का वर्णन
5. आम जनता के लिए निर्मित कानून

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



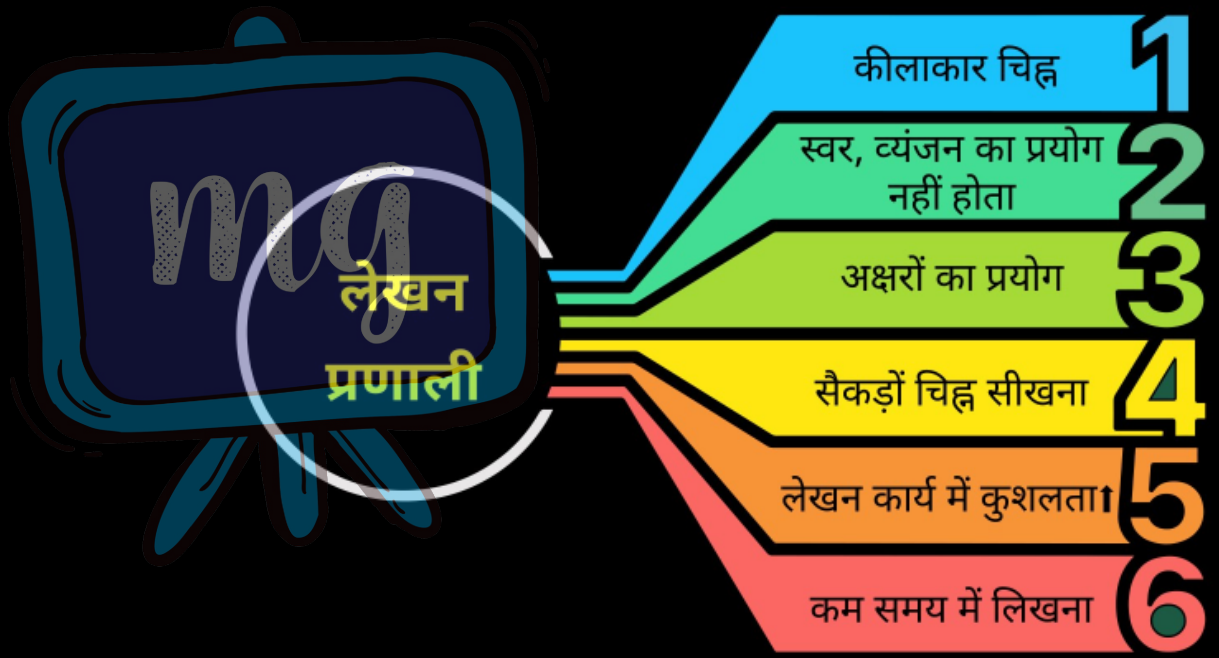
लेखन प्रणाली

कीलाक्षर या कीलाकार चिह्न का प्रयोग एक स्वर या व्यंजन के लिए न होकर पूरे अक्षर के लिए होता था।

क्यूनीफार्म (कीलाकार) लातिनी शब्द क्यूनियस से बना है जिसका अर्थ 'खूँटी' और 'फोर्मा' जिसका अर्थ 'आकार' है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

साक्षरता

- मेसोपोटामिया में बहुत कम लोग पढ़-लिख सकते थे।
- लेखन में प्रतीको या चिह्नों की संख्या अधिक।
- अधिकतर लिखावट बोलने के तरीके को दर्शाती थी।

